प्रेस विज्ञप्ति
तत्काल प्रकाशनार्थ

डॉक्टरों ने फोर्टिस में मरीज के पित्ताशय से सफलतापूर्वक निकाली 838 पथरियां

Highest reported so far in India

नई दिल्ली, मार्च 2, 2017: फोर्टिस हॉस्पिटल, शालीमार बाग में डॉक्टरों ने हाल ही में एक असामान्य और जटिल मसला सुलझाया जहां एक मरीज में एक कैंसरयुक्त ट्यूमर होने का संदेह था लेकिन इसके बजाय उनके पित्ताशय में 838 पथरियां पाई गईं। एक सही जांच करने के बाद सर्जरी की गई जिससे मरीज में सुधार सुनिश्चित किया जा सके।

सुश्री **पुष्पा** को पेट में जबरदस्त दर्द का सामना करना पड़ता था और इसके साथ ही उन्हें बार–बार बुखार भी आता है। हाल ही में जब उन्हें अस्पताल में लाया गया तो उन्हें मिचली महसूस होती थी, बुखार आता था और वह बेहद दर्द में थीं। उन्हें अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन कराने की सलाह दी गई, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें बताया गया कि उन्हें पित्ताशय के कैंसर की शिकायत हो सकती है। इसके बाद डॉ. अमित जावेद, सलाह, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी, फोर्टिस हॉस्पिटल, शालीमार बाग के नेतृत्व में विशेषज्ञों की एक टीम ने इस वर्ष जनवरी में दो घंटे की लैप्रोस्कोपिक सर्जरी करने की योजना बनाई और उसे पूरा किया। मरीज के पित्ताशय में अत्यधिक जलन थी और यह अपने वास्तविक आकार से छह गुना बढ़ गया। योजना के मुताबिक यह एक लैप्रोस्कोपिक सर्जरी थी जहां उनके पित्ताशय को साथ लगे लीवर के हिस्से के साथ हटाया जाना था और इसे पैथोलॉजिकल परीक्षण (फ्रोजेन सेक्शन) के लिए तत्काल भेजा गया। पेट में गड़बड़ी से बचाव और पोर्ट साइट (सर्जिकल साइट) मेटास्टैसिस के लिए यह सर्जरी हर प्रकार की सावधानियों के साथ की गई। किसी भी तरह के प्रदूषण और नुकसान से बचने के लिए पित्ताशय के नमूने को एक पाउच में निकाला गया। हालांकि इसे निकालने के बाद जब इसे बायोप्सी के लिए भेजने से पहले इसके भीतर की चीज को देखने के लिए खोला गया तो इसे देखकर डॉक्टर चकित रह गए और यह उनके लिए आश्चर्य से कम नहीं था, दरअसल यह सैकड़ों छोटी और बड़ी पथरियों से भरा था। इसके भीतर कुल 838 पथरियां थीं!

डॉ. जावेद ने कहा, ''इन पथरियों की वजह से पित्ताशय में जलन पैदा होती है और इसकी वजह से बेहद दर्द होता है, अपच के लक्षणों और पित्त वाहिनी के ब्लॉकेज जैसी जटिलताएं पैदा होती है जिसकी वजह से पीलिया, गंभीर संक्रमण और पैंक्रियाटाइटिस होता है। ये लक्षण ऐसे मरीजों में भी पाया जाता है जिनमें पित्ताशय का कैंसर होता है जिससे संभावित कारणों का भी पता चलता है। मरीज में सिर्फ पथरी थी और उनकी बायोप्सी रिपोर्ट नकारात्मक थी। पित्ताशय के कैंसर की प्रकृति बहुत ही आक्रामक होती है और इसका पता बीमारी के अंतिम चरण में ही चलता है क्योंकि इनके लक्षण बहुत ही अजीबो गरीब होते हैं जिन्हें गंभीरता

से नहीं लिया जाता है। पथरियों के साथ ही पित्ताशय के कैंसर से बचाव का एकमात्र तरीका पित्ताशय को पूरी तरह निकाल देना ही है।''

श्री महिपाल भनोट, संयंत्र निदेशक, फोर्टिस हॉस्पिटल, शालीमार बाग ने कहा, ''गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एवं हेप्टोबिलेरी सर्जरी विभाग का उद्देश्य सभी प्रकार की गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी से संबंधित मामलों की संपूर्ण जांच और लागू करने योग्य समाधान मुहैया कराना है। ऐसा करने की क्षमता कुशल सर्जनों और उनकी टीमों के साथ आती है जो इस रास्ते में हर कदम में सर्जरी पर ध्यान देते हैं। फोर्टिस शालीमार बाग ने पहले भी कई जटिल सर्जरियां की हैं। इस मामले में भी हम अपने प्रयास में सफल रहे।''

पथरियां वयस्कों के मामले में पित्ताशय या पित्त वाहिनी में बाइल पिगमेंट्स, कोलेस्ट्रॉल और कैल्शियम सॉल्ट से असामान्य रूप से बने कण होते हैं। पथरियां तब ही विकसित हो सकती हैं जब लीवर से अलग बाइल में काफी कोलेस्ट्रॉल जमा हो जाता है। ये बीमारियां मध्यम आयु की महिलाओं के बीच काफी सामान्य है। उत्तर और मध्य भारत में पित्ताशय कैंसर के मामले काफी अधिक हैं और महिलाओं में ऐसे मामले सबसे अधिक देखने को मिलते हैं। उत्तर भारत में पित्ताशय कैंसर के मामले दक्षिण भारत के मुकाबले अधिक देखने को मिलते हैं।

फोर्टिस हैल्थकेयर लिमिटेड के बारे में
फोर्टिस हैल्थकेयर लिमिटेड भारत में अग्रणी एकीकृत स्वास्थ्य सेवा प्रदाता है। कंपनी की स्वास्थ्य सेवाओं में अस्पतालों के अलावा डायग्नॉस्टिक एवं डे केयर स्पेश्यलिटी सेवाएं शामिल हैं। फिलहाल कंपनी भारत समेत दुबई, मॉरीशस और श्रीलंका में 45 हैल्थकेयर सुविधाओं (इनमें वे परियोजनाएं भी शामिल हैं जिन पर फिलहाल काम चल रहा है), करीब 10,000 संभावित बिस्तरों और 346 डायग्नॉस्टिक केंद्रों का संचालन कर रही है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें :

फोर्टिस हैल्थकेयर लिमि	एवियन मीडिया
अजेय महाराजः **+91 9871798573;** **ajey.maharaj@fortishealthcare.com** तनुश्री रॉय चौधरीः **+91 9999425750** **tanushree.chowdhury@fortishealthcare.com**	रिशू सिंहः **+91-9958891501;** **rishu@avian-media.com** प्रीति सहरावतः **+91- 9711170599;** **preeti@avian-media.com**